पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (WBBSE)

# कक्षा 9 हिंदी

अध्याय 2

# धीरे-धीरे उतर क्षितिज से

**प्रश्न बैंक**

birlaeducation.org

कक्षा 9 की कोई बोर्ड परीक्षा नहीं होती; यह प्रश्न बैंक पाठ्यपुस्तक और अध्याय के विषयों पर आधारित है

बिरला एजुकेशन

# अध्याय 2: धीरे-धीरे उतर क्षितिज से

कवयित्री: महादेवी वर्मा

## अध्याय का सार

वसंत की रात धीरे-धीरे क्षितिज से धरती पर उतर रही है। कवयित्री महादेवी वर्मा उसे एक सुंदर युवती के रूप में देखती हैं जो अपने प्रिय से मिलने जा रही है। उसके बालों में तारे गुँथे हैं, माथे पर नया चाँद फूल की तरह सजा है, चाँद की किरणों के कंगन उसके हाथों में हैं और सफेद बादलों का घूँघट उसके चेहरे पर है।

पत्तों की सरसराहट उसके घुँघरुओं की आवाज है और कमलों पर मँडराते भौंरों की गूँज उसके पैरों की किंकिणि है। वह मुस्कुराते हुए आ रही है और अपनी मुस्कान से चाँदनी की चाँदी जैसी धार पूरी धरती पर बहा रही है। उसके हाथों में मीठी यादों की अंजलि है और वह मलय पर्वत की हवा का रेशमी वस्त्र पहने हुए है।

उसके आने से नदी का हृदय सिहर उठता है, फूल अमृत भरकर खिल उठते हैं और धरती अपने प्रिय के कदमों की आहट सुनकर पुलकित हो जाती है। पूरी कविता में प्रकृति को एक सजीव युवती के रूप में दिखाया गया है।

## समूह A: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ), 12 प्रश्न

bharateducation.org

सही विकल्प को गहरे (बोल्ड) अक्षरों में दिखाया गया है।

**1. इस कविता में कुल कितने पद्यांश हैं?** अतिरिक्त

(क) दो

(ख) तीन

**(ग) चार**

(घ) पाँच

उत्तर: चार।

---

**2. 'सित घन-अवगुण्ठन' से क्या पता चलता है?** अतिरिक्त

(क) काले बादलों का घूँघट

**(ख) सफेद बादलों का घूँघट**

(ग) तारों का हार

(घ) चाँद का मुकुट

उत्तर: सफेद बादलों का घूँघट।

---

**3. 'अलि' शब्द का अर्थ क्या है?** अतिरिक्त

(क) कमल

**(ख) भौंरा**

(ग) चाँद

(घ) तारा

उत्तर: भौंरा।

---

**4. 'तरंगिणि' शब्द का अर्थ क्या है?** अतिरिक्त

(क) हवा

(ख) धरती

**(ग) नदी**

(घ) रात

उत्तर: नदी।

---

**5. 'सुमन' शब्द का अर्थ क्या है?** अतिरिक्त

**(क) फूल**

(ख) पत्ता

(ग) तारा

(घ) मोती

उत्तर: फूल।

birlaeducation.org

---

**6. 'नीरजा' किसकी रचना है?** अतिरिक्त

(क) जयशंकर प्रसाद की

(ख) सुमित्रानंदन पंत की

**(ग) महादेवी वर्मा की**

(घ) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की

उत्तर: महादेवी वर्मा की।

---

**7. पहले पद्यांश के अंत में वसंत-रजनी कैसे आ रही है?** अतिरिक्त

(क) विहँसती

(ख) सकुचती

**(ग) पुलकती**

(घ) सिहरती

उत्तर: पुलकती आ रही है।

---

**8. तीसरे पद्यांश के अंत में वसंत-रजनी कैसे आ रही है?** अतिरिक्त

(क) पुलकती

(ख) विहँसती

(ग) सिहरती

**(घ) सकुचती**

उत्तर: सकुचती आ रही है।

---

**9. 'रोमावलि' किन स्वप्नों से जुड़ी है?** अतिरिक्त

(क) दुख भरे स्वप्नों से

**(ख) पुलकित स्वप्नों से**

(ग) भूले हुए स्वप्नों से

(घ) डरावने स्वप्नों से

उत्तर: पुलकित स्वप्नों से।

---

**10. वसंत-रजनी 'चिर छाया-सी' कैसी लग रही है?** अतिरिक्त

(क) उजली

**(ख) श्याम**

(ग) सुनहरी

(घ) लाल

उत्तर: श्याम।

birlaeducation.org

---

**11. कविता में पल कैसे आते हैं?** अतिरिक्त

(क) ठहर ठहर

**(ख) मचल मचल**

(ग) धीरे धीरे

(घ) चुप चाप

उत्तर: मचल मचल आते हैं।

---

**12. 'दुकूल' शब्द का अर्थ क्या है?** अतिरिक्त

(क) घूँघट

(ख) कंगन

**(ग) रेशमी वस्त्र**

(घ) हार

उत्तर: रेशमी वस्त्र।

---

## समूह B: अति लघु उत्तरीय प्रश्न (VSA), 10 प्रश्न

उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए।

**1. 'वेणी' शब्द का अर्थ क्या है?** अतिरिक्त

उत्तर: चोटी, बालों की चोटी।

---

**2. 'चितवन' शब्द का अर्थ क्या है?** अतिरिक्त

उत्तर: दृष्टि, नज़र।

---

**3. 'घन' शब्द का अर्थ क्या है?** अतिरिक्त

उत्तर: बादल।

---

**4. 'रश्मि' शब्द का अर्थ क्या है?** अतिरिक्त

उत्तर: किरण।

---

**5. 'शीश' शब्द का अर्थ क्या है?** अतिरिक्त

उत्तर: माथा, सिर।

birlaeducation.org

---

**6. 'उर' शब्द का अर्थ क्या है?** अतिरिक्त

उत्तर: हृदय।

---

**7. 'विहँसती' शब्द का अर्थ क्या है?** अतिरिक्त

उत्तर: हँसते हुए, मुस्कुराते हुए।

---

**8. 'सिहरती' शब्द का अर्थ क्या है?** अतिरिक्त

उत्तर: सिहरते हुए, रोमांच से भरकर।

---

**9. वसंत-रजनी की पद-गति से तरंगिणि कैसी बह रही है?** अतिरिक्त

उत्तर: अलसाई हुई, मंद मंद बह रही है।

---

**10. 'पद-चाप' शब्द का अर्थ क्या है?** अतिरिक्त

उत्तर: कदमों की आहट।

---

## समूह C: लघु उत्तरीय प्रश्न (SA), 10 प्रश्न

उत्तर 3 से 5 पंक्तियों में लिखिए।

**1. कविता में वसंत-रजनी के 'धीरे-धीरे' उतरने से क्या भाव बनता है?** अतिरिक्त

उत्तर: रात के उतरने की गति कोमल और शांत है, वह बिना शोर किए धीरे से धरती पर उतर रही है।

**2. इस कविता का मुख्य रस कौन सा है और क्यों?** अतिरिक्त

उत्तर: शृंगार रस, क्योंकि इसमें प्रेम, मिलन की उमंग और सज धज का भाव प्रमुख है।

**3. चाँदनी को 'तरल रजत की धार' क्यों कहा गया है?** अतिरिक्त

उत्तर: चाँदनी सफेद और चाँदी जैसी उजली है, और वह धरती पर धार की तरह बहती हुई लगती है।

**4. 'पुलकित स्वप्नों की रोमावलि' से वसंत-रजनी के मन की कौन सी दशा पता चलती है?** अतिरिक्त

उत्तर: उसके मन में मिलने की उमंग और पुलक भरा है, उसके सपने भी पुलक से भरे हैं।

**5. 'मलयानिल का चल दुकूल' से वसंत की हवा की कौन सी विशेषता पता चलती है?** अतिरिक्त

उत्तर: हवा सुगंधित, कोमल और बहती हुई है, वह रेशमी वस्त्र की तरह वसंत-रजनी को लपेटे हुए है।

birlaeducation.org

**6. 'सकुचती आ वसंत-रजनी' में उसके सकुचाने का क्या कारण है?** अतिरिक्त

उत्तर: वह अपने प्रिय से मिलने जा रही है, इसलिए मिलने की उमंग के साथ शरम भी उसके मन में है।

**7. 'सिहर सिहर उठता सरिता-उर' में नदी के सिहरने का क्या भाव है?** अतिरिक्त

उत्तर: नदी का हृदय रोमांच और पुलक से सिहर उठता है, वसंत-रजनी के आने से नदी में नई जान आ जाती है।

**8. 'मचल मचल आते पल फिर फिर' से क्या भाव बनता है?** अतिरिक्त

उत्तर: मिलने की उमंग में हर पल मचल उठता है, पल पल में बेचैनी और खुशी दोनों दिखती हैं।

**9. दूसरे पद्यांश में वसंत-रजनी की पद-गति कैसी बताई गई है?** अतिरिक्त

उत्तर: उसकी पद-गति मंद और अलसाई हुई है, उसके चलने से तरंगिणि भी अलसाई हुई बह रही है।

**10. वसंत-रजनी को 'चिर छाया-सी श्याम' क्यों कहा गया है?** अतिरिक्त

उत्तर: रात के अँधेरे में वह छाया की तरह श्याम और सुंदर लग रही है, उसका श्याम रंग रात की शांति को दिखाता है।

## समूह D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (LAQ), 8 प्रश्न

उत्तर अपने शब्दों में विस्तार से लिखिए।

**1. कविता में ध्वनि-बिंबों की भूमिका बताइए। मर्मर, अलि-गुंजित, नूपुर और किंकिणि का उदाहरण दीजिए।** अतिरिक्त

उत्तर: पत्तों की मर्मर ध्वनि वसंत-रजनी के नूपुर की आवाज जैसी है और कमलों पर मँडराते भौंरों की गूँज उसके पैरों की किंकिणि जैसी है। इन ध्वनियों से वसंत की रात सजीव लगती है और वातावरण मधुर हो जाता है।

---

**2. कविता में चाँदनी का चित्रण कैसे किया गया है? शशि, रश्मि-वलय और तरल रजत के उदाहरण दीजिए।** अतिरिक्त

उत्तर: वसंत-रजनी के माथे पर नया चाँद शीश फूल की तरह सजा है, चाँद की किरणों का वलय उसके हाथों में कंगन है और वह मुस्कुराते हुए चाँदनी की चाँदी जैसी धार धरती पर बहा रही है।

---

**3. चारों पद्यांशों के अंत में वसंत-रजनी की मन की दशा कैसे बदलती है? पुलकती, विहँसती, सकुचती और सिहरती को समझाइए।** अतिरिक्त

उत्तर: पहले पद्यांश में वह पुलकती हुई आती है, दूसरे में विहँसती हुई, तीसरे में सकुचती हुई और चौथे में सिहरती हुई। पुलक से हँसी, हँसी से शरम और शरम से सिहरन तक मिलने की उमंग धीरे धीरे बढ़ती जाती है।

birlaeducation.org

---

**4. कविता में स्मृति और स्वप्न का क्या स्थान है? स्मृतियों की अंजलि और पुलकित स्वप्नों की रोमावलि को समझाइए।** अतिरिक्त

उत्तर: वसंत-रजनी के हाथों में मीठी स्मृतियों की अंजलि है और उसके मन में पुलकित स्वप्नों की रोमावलि है। मिलने की याद और मिलने की आशा दोनों साथ साथ चलती हैं, यही उसके मन का सौंदर्य है।

---

**5. 'धीरे-धीरे' और 'आ वसंत-रजनी' के बार-बार आने से कविता में कैसा भाव बनता है?** अतिरिक्त

उत्तर: इससे आह्वान का भाव बनता है, कवयित्री वसंत की रात को बुला रही है। 'धीरे-धीरे' से गति की कोमलता पता चलती है और बार बार आने से कविता में लय और मधुरता बनती है।

---

**6. कविता में रात के अँधेरे और चाँदनी के उजाले का मेल कैसे दिखाया गया है?** अतिरिक्त

उत्तर: वसंत-रजनी चिर छाया सी श्याम है, पर उसकी वेणी तारों से भरी है, सफेद बादलों का घूँघट है और उसकी मुस्कान से चाँदनी की चाँदी जैसी धार बहती है। अँधेरे में उजाला मिलकर रात को सुंदर बना देता है।

---

**7. चौथे पद्यांश के चार चित्रों, सरिता-उर, सुमन, पल और अवनी को अलग-अलग समझाइए।** अतिरिक्त

उत्तर: नदी का हृदय सिहर उठता है, फूल सुधा भरकर खिल उठते हैं, पल मचल मचल आते हैं और धरती प्रिय की पद-चाप सुनकर पुलकित हो जाती है। चारों चित्र मिलकर दिखाते हैं कि वसंत-रजनी के आने से पूरी प्रकृति में नई जान आ जाती है।

---

**8. कविता में वसंत-रजनी के शृंगार में तारे, चाँद, बादल और हवा का क्या-क्या काम है?** अतिरिक्त

उत्तर: तारे उसकी वेणी में गुँथे हैं, नया चाँद उसके माथे पर शीश फूल है, सफेद बादल उसका घूँघट हैं और मलय पर्वत की हवा उसका रेशमी वस्त्र है। इस तरह प्रकृति ही उसका शृंगार बन जाती है।

---

birlaeducation.org